मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 112, मुंबई, गुरुवार, 2 जून, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

सुरक्षा के कड़े घेरे में रहेंगे 'दबंग' खान

मुंबई पुलिस अलर्ट मोड में

लॉरेंस बिश्नोई दे चुका है जान से मारने की

धमकी

मूसेवाला की हत्या के बाद सलमान की बढ़ी सुरक्षा

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस ने सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी है। यह कदम सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद मिले एक सीक्रेट इंटेल के बाद उठाया गया है। अब सलमान के साथ उनकी प्राइवेट सिक्योरिटी के साथ मुंबई पुलिस के आधा दर्जन सिपाही भी रहेंगे। मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गे गोल्डी बरार ने ली है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पैगम्बर ऐ इस्लाम मोहम्मद सल्लललाहो अलेह वसल्लम की शान में गुस्ताखी हरगिज बर्दाश्त नही की जाएगी: नदीम कुरैशी

नदीम कुरैशी राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा

समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव नदीम कुरैशी ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगद प्रकाश नडडा को पत्र भेज कर भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के खिलाफ सांगठनिक कार्यवाही करने की मांग की है। नदीम कुरैशी ने कहा भाजपा की प्रवक्ता नुपुर शर्मा द्वारा लाइव टीवी शो पर धर्म विशेष के रसूल सल्लल्लाहु अलेह वसल्लम की शान में गुस्ताखी की गयी है जबकि तारीख गवाह है पैगम्बर मोहम्मद मुस्तुफा सल्लल्लाहो तआला अलैहिस्सलाम ने सभी की बेहतरी और खुशहाली के लिए अल्लाह से दुआ की पैगम्बर ऐ इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तुफा सल्लल्लाहु अलैहिस्सलाम के बारे में अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणी से तमाम मुस्लिम धर्म की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंची है। इस प्रकार की टिप्पणी किसी भी धर्म के लिए नही की जा सकती है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र को फिर डरा रहा कोरोना

मुंबई में फरवरी के बाद पहली बार सबसे ज्यादा मरीज मिले, पॉजिटिविटी रेट 6% तक पहुंचा

मुंबई। मुंबई में कोरोना की रफ्तार फिर बढ़ गई है। पिछले 24 घंटों में मुंबई में 506 नए कोविड मरीज मिले हैं। जो इस साल 6 फरवरी (536 मामले) के बाद सबसे अधिक संख्या है। शहर में टेस्ट के दौरान पॉजिटिविटी रेट 6% तक पहुंच गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अनिल देशमुख की पोल-पट्टी खोलेंगे सचिन वाजे?

सरकारी गवाह बनने की शर्त पर सीबीआई ने दी माफी

मुंबई। मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को सशर्त माफी दे दी है। कोर्ट ने सरकारी गवाह बनने की पुलिस अधिकारी सचिन वाजे की याचिका स्वीकार कर ली है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

भाजपा नेता मोहित कंबोज व अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

पुलिस अधिकारी ने बताया कि 'इंडियन ओवरसीज बैंक' के एक प्रबंधक ने पुलिस में शिकायत दर्ज करके आरोप लगाया है कि कंबोज और एक कंपनी के कुछ अधिकारियों ने 52 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था, लेकिन जिस उद्देश्य से यह कर्ज लिया था, इसका इस्तेमाल उसके लिए नहीं किया गया

मुंबई। मुंबई पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता मोहित कंबोज तथा एक कंपनी और बैंक के कुछ अन्य अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ALISHA TRAVEL
Dubai
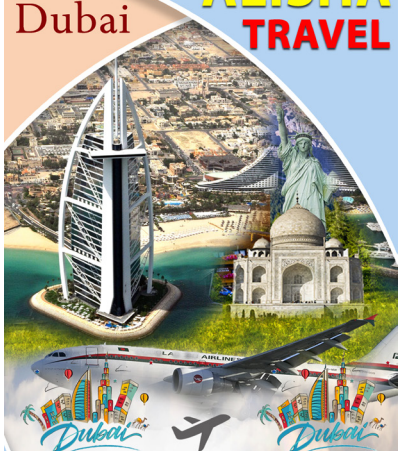
All Countries Visa
Domestic & International Air Tickets
Domestic & International Hotel Bookings
Holiday Package
WHATSAPP 00919015064472
alishatravel@rediffmail.com

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

मंत्री की गिरफ्तारी

मंत्रियों की गिरफ्तारी भारतीय राजनीति में अब कोई चौंकाने वाली घटना नहीं रही, लेकिन एक कथित हवाला मामले में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तारी ने आम आदमी पार्टी के लिए कुछ असहज स्थिति जरूर पैदा कर दी है। खासकर तब, जब गुजरात और हिमाचल के विधानसभा चुनावों से उसने काफी उम्मीदें बांध रखी हैं। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब उसकी पंजाब सरकार के स्वास्थ्य मंत्री विजय सिंगला के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने पर खुद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जांच कराई थी और मंत्रिमंडल से बर्खास्त करते हुए उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। देश भर में इस कदम का अच्छा संदेश गया था। पर सोमवार को जैन की गिरफ्तारी ने विरोधी पार्टियों को एक मुद्दा तो दे ही दिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस पूरे मामले को फर्जी बता रहे हैं, लेकिन इसका निर्णय अदालत को करना है। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार के आगे भी कई तरह की चुनौतियां खड़ी हैं। उसे सत्ता में आए बमुश्किल ढाई माह बीते हैं, लेकिन इस छोटी अवधि में ही पहले सांप्रदायिक विवाद, राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध बदले की कार्रवाई के मामले, फिर स्वास्थ्य मंत्री के भ्रष्ट आचरण के प्रकरण सामने आए और अब लोकप्रिय पंजाबी गायक व कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या से कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए जाने लगे हैं। ये बेवजह नहीं हैं। हत्या के एक दिन पहले ही राज्य सरकार ने मूसेवाला की सुरक्षा घटाई थी। न सिर्फ उनकी सुरक्षा कम की गई, बल्कि सोशल मीडिया के जरिये इसे सरेआम भी कर दिया गया। ऐसे कदम लोक-लुभावन राजनीति के मुफीद भले हों, प्रशासनिक दक्षता के सर्वथा खिलाफ हैं। मान सरकार इस तथ्य से बखूबी वाकिफ है कि पंजाब बेहद संवेदनशील सूबा है और वह विशेष शासकीय कौशल की मांग करता है। वहां के लोगों ने विशाल बहुमत देने के साथ 'आप' से भारी अपेक्षाएं बांधी हैं। उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि उन पर खरा उतरकर ही वह अपने राजनीतिक लक्ष्य की ओर बढ़ सकती है। आम आदमी पार्टी ने वैकल्पिक राजनीति का स्वप्न दिखाकर देश के लोगों के दिल में अपनी अलग जगह बनाई है। उसने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, भ्रष्टाचार जैसे जन-सरोकार के विषयों पर अपनी राजनीति को केंद्रित रखा। लेकिन पंजाब के उम्मीदवारों के चयन में उसने जो कसौटी अपनाई, उसकी खामियां अब सामने आने लगी हैं। वहां उसके एक विधायक को तीन साल की जेल हो चुकी है और एक मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार हो चुका है। दागी विधायकों की एक लंबी सूची है। ऐसे में, बेहतर विकल्प का उसका दावा कमजोर ही होगा। जहां तक सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी का मसला है, तो इसमें ईडी की साख भी दांव पर है। देश की अधिकतर विपक्षी पार्टियां केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगातार लगाती रही हैं और हाल के कुछ प्रकरणों में सुबूत न होने की वजह से आरोपियों की रिहाई ने इन एजेंसियों की प्रतिष्ठा को चोट भी पहुंचाई है। इसलिए जैन के खिलाफ अगर ईडी पुख्ता सुबूत नहीं पेश कर पाई और वह अदालत से निर्दोष करार दिए गए, तो इससे जांच एजेंसी की साख पर तो आंच आएगी ही, आम आदमी पार्टी को आगामी चुनावों में केंद्र सरकार और भाजपा को घेरने का बड़ा मुद्दा भी मिल जाएगा। लेकिन फिलहाल तो नैतिकता की कसौटी पर आप सरकार ही परखी जाएगी।

आठ साल बाद की चुनौतियां

एक संस्था ने तो भारत को आंशिक रूप से आजाद देश बताया है। इसके अलावा क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स हो, सबसे अधिक प्रदूषित शहरों की संख्या हो, एयर क्वालिटी इंडेक्स हो या वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स हो सबमें भारत का स्थान नीचे हुआ है। भले देखने में ऐसा लग रहा हो कि इसका कोई राजनीतिक नुकसान नहीं होना है लेकिन लंबे समय तक यह स्थिति रही तो उसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद यह मानने वालों की संख्या बढ़ी है कि 2024 का चुनाव ह्यडन डीलह्ल है। वैसे बौद्धिक लोग भी उम्मीद छोड़ चुके हैं, जो लगातार दो बार के शासन के बाद एंटी इन्कम्बैंसी के हवाले 2024 में बदलाव की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? क्या सचमुच 2024 का चुनाव 'डन डील' है? इस बारे में कोई भी भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगी, जैसा कि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर बार बार कह रहे हैं कि लोकसभा का चुनाव राज्यों के चुनाव से अलग होगा। वह देश का चुनाव होगा और अलग तरह से लड़ा जाएगा। इसलिए चुनावी भविष्यवाणी या नतीजों की अटकलबाजी में अभी से उलझने की जरूरत नहीं है। वैसे भी लोकसभा चुनाव से पहले 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और उनके नतीजों से भी आम चुनाव का माहौल बनेगा। उससे पहले मोदी सरकार के आठ साल पूरे करने के मौके पर दो बातों पर विचार जरूरी है। पहली बात तो यह है कि मोदी की ताकत क्या है, जिससे वे लंबे समय तक सत्ता में टिके रहते हैं और अपने विरोधियों को पस्त करते हैं? दूसरी बात यह है कि आठ साल के राज के बाद उनके सामने क्या चुनौतियां हैं? जब हम चुनौतियों को बात करते हैं तो वह सिर्फ राजनीतिक विरोधियों की तरफ से पेश आने वाली चुनौतियां नहीं हैं। कुछ चुनौतियां ऐसी हैं, जो पिछले आठ साल में सरकार द्वारा किए गए या समय पर नहीं किए गए फैसलों की वजह से पैदा हुई हैं। कुछ चुनौतियां ऐसी हैं, जो वैश्विक हालात की वजह से पैदा हुई हैं और कुछ चुनौतियां देश में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सरकार या सत्तारूढ़ दल की मदद से बनाई जा रही परिस्थितियों की वजह से पैदा हुई हैं। अभी भले ऐसा लग रहा हो कि ये जो परिस्थितियां पैदा हुई हैं या की गई हैं वे अनुकूल हैं लेकिन अंततः उनसे नुकसान होना है।

अगर नरेंद्र मोदी के लंबे समय तक सत्ता में टिके रहने के नुस्खे या उनकी ताकत की बात करें तो दो चीजें प्रत्यक्ष रूप से उभर कर सामने आती हैं। पहली चीज है उनकी 'लार्जर दैन लाइफ' छवि। यह छवि उनके गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से पहले से गढ़ी जाने लगी थी। अब इसका चरमोत्कर्ष आ गया है। अब वे हर तरह के आरोप-प्रत्यारोप से मुक्त हो चुके हैं। किसी तरह का आरोप उनके ऊपर नहीं चिपकता है। यह करिश्मा है कि अपनी ही सरकार के गलत फैसलों से होने वाले नकारात्मक प्रभाव से भी वे अछूते रहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि बुरा हो रहा होता है तब भी वे खुद और उनकी पार्टी बताती है कि सब अच्छा हो रहा है। जैसे अभी उन्होंने कहा कि आठ साल में कोई ऐसा काम नहीं किया, जिससे देश को शर्मिंदा होना पड़े। उनके इस तरह के भाषण नैरेटिव निर्माण के सबसे पावरफुल टूल्स हैं। तभी लोग जब तपती धूप में हजारों किलोमीटर पैदल चल कर जा रहे थे या ऑक्सीजन की कमी से मर रहे थे या महंगाई और बेरोजगारी झेल रहे हैं तब भी कह रहे हैं कि मोदी अकेले क्या कर सकते हैं?

उनकी दूसरी ताकत निरंतर बदलाव करने में है। अपनी सख्त और नहीं झुकने वाली छवि के बावजूद वे बेहद लचीले हैं। ऐसे अनेक फैसलों की मिसाल दी जा सकती है, जो उन्होंने बदले हैं। उन्होंने उत्तराखंड में मुख्यमंत्री बदला और लगा कि यह फैसला सही नहीं है तो चार महीने में उस मुख्यमंत्री को बदल दिया। गुजरात से लेकर त्रिपुरा तक मुख्यमंत्रियों का बदला जाना भी इसकी मिसाल है। भूमि अधिग्रहण बिल का विरोध हुआ तो उन्होंने बिल वापस लेने में देरी नहीं की। उसी तरह तीन कृषि कानूनों के विरोध में किसानों ने आंदोलन किया तो एक साल बाद ही सही लेकिन उन्होंने तीनों कानून वापस ले लिए। इसी तरह उनके ऊपर धनपतियों की मदद का आरोप लगा तो उन्होंने कोरोना की आपदा को अवसर बना कर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू कर दी। जरूरत के हिसाब से अपने नजरिए में बदलाव करना और फैसले बदलने में उनको हिचक नहीं होती है। यह गुण किसी भी नेता को मजबूत विपक्ष से लड़ने की ताकत देता है। यह अलग बात है कि भारत में विपक्ष मजबूत नहीं है। वह भी मोदी की एक ताकत है लेकिन उस पर अलग से विचार की जरूरत है। जहां तक चुनौतियों की बात है तो मोदी सरकार उनसे चौतरफा घिरी है। सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक मोर्चे पर है। देश में इस समय अभूतपूर्व आर्थिक संकट है। महंगाई चरम पर है। बेरोजगारी कम नहीं हो रही है। गरीबों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। कोरोना की महामारी और सरकार की ओर से प्रोत्साहन की कमी से लघु व मझोले उद्योग का सेक्टर पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। देश के 90 फीसदी कामगार या स्वरोजगार करने वाले जिस अनौपचारिक सेक्टर से जुड़े हैं वह पहले नोटबंदी की वजह से तबाह हुआ और बाद में कोरोना महामारी ने उसकी कमर तोड़ दी। सरकार निर्यात में बढ़ोतरी का दावा कर रही है लेकिन उसी अनुपात में आयात में भी बढ़ोतरी हुई है। बाजार की स्थिति कैसी है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सरकार अपनी मुनाफा कमाने वाली कंपनियां बाजार में लेकर बैठी है और खरीदार नहीं मिल रहे हैं। एलआईसी का आईपीओ लांच होने के बाद से लगातार गिर रहा है। कहने को सरकार अर्थव्यवस्था के फंडामेंटल्स के ठीक होने का दावा कर रही है, लेकिन वह ठीक नहीं है। तभी विकास दर की परवाह नहीं करके रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में बढ़ोतरी करनी पड़ रही है। उधर रूस-यूक्रेन की लड़ाई नहीं थम रही है और अमेरिका में महंगाई ऐसे बढ़ रही है, जिससे दुनिया के फिर से मंदी की चपेट में आने का अंदेशा है। इसका बड़ा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर होगा।

आर्थिक संकट के अलावा मोदी सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती घरेलू हालात की है। सरकार ने भाजपा और आरएसएस के एजेंडे को पूरा करने के लिए कुछ ऐसे फैसले किए, जिनसे घरेलू हालात बिगड़े। इसी तरह चुनावी राजनीति की वजह से धार्मिक और सामाजिक विभाजन बढ़ा है, जिसका असर अंततः हर चीज पर होना है। संवैधानिक संस्थाओं और मीडिया की आजादी को लेकर भी भारत सरकार कठघरे में है। इन सबसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की जो छवि बिगड़ी है उसे ठीक करना एक बड़ी चुनौती है। भारत की छवि कैसे बिगड़ी है, इसे कुछ आंकड़ों से समझ सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के मानव विकास सूचकांक में भारत एक स्थान नीचे खिसका है तो संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक खुशहाली रैंकिंग में भारत 19 स्थान नीचे गया है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक में भारत 46 स्थान गिर कर बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल आदि देशों से भी नीचे चला गया है। अमेरिकी संस्था की ओर से जारी होने वाले कैटो ह्यूमन फ्रीडम इंडेक्स में भारत 44 स्थान नीचे चला गया है तो दावोस के ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में 13 स्थान नीचे गिरा है। इसके अलावा दो वैश्विक संस्थाओं के डेमोक्रेसी इंडेक्स में भी भारत बहुत नीचे चला गया है। एक संस्था ने तो भारत को आंशिक रूप से आजाद देश बताया है। इसके अलावा क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स हो, सबसे अधिक प्रदूषित शहरों की संख्या हो, एयर क्वालिटी इंडेक्स हो या वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स हो सबमें भारत का स्थान नीचे हुआ है। भले देखने में ऐसा लग रहा हो कि इसका कोई राजनीतिक नुकसान नहीं होना है लेकिन लंबे समय तक यह स्थिति रही तो उसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बीजेपी की राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा दिया गए हुजूर करीम सल्लल्लाहो ताला अलेही वसल्लम की शान में अभद्र टिप्पणी पर...

एनसीपी द्वारा जोरदार विरोध प्रदर्शन कर की गई गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। बीजेपी की राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा दिया गए मुस्लिम समुदाय के नबी हुजूर करीम सल्लल्लाहो ताला अलेही वसल्लम की शान में अभद्र टिप्पणी पर एनसीपी द्वारा किया गया जोरदार विरोध प्रदर्शन कर की जा रही है गिरफ्तारी की मांग दरअसल आपको बता दें कि बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा दिए गए विवादित बयान पर पूरे देशभर में मुस्लिम समुदाय में आक्रोश नजर आ रहा है और उनकी गिरफ्तारी की मांग देशभर के मुस्लिम समुदाय द्वारा की जा रही है उनके द्वारा दिए गए इस निंदनीय बयान से देश के मुसलमान समुदाय की भावनाओं को जबरदस्त ठेस पहुंची है और सभी मुसलमान समुदाय के लोग सड़कों पर उतर कर उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं ऐसा ही एक मामला मुंब्रा में एनसीपी द्वारा गत 31 मई मंगलवार दोपहर 1:30 बजे दारूल फलाह मस्जिद के बाहर तमाम एनसीपी पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया इस विरोध प्रदर्शन में हजारों की तादाद में एनसीपी कार्यकर्ता पदाधिकारी और जनता सड़कों पर नजर आए और उन तमाम कार्यकताओं ने गधे पर बीजेपी की प्रवक्ता नूपुर शर्मा का पुतले बनाकर उनका मुंह काला करके चप्पलों से पिटाई की गई और तमाम एनसीपी पार्टी की महिलाओं

ने नूपुर शर्मा के मुंह पर थूक कर बाद में उनके पुतले को जलाया गया और नारेबाजी कर गिरफ्तारी की मांग की इस मामले में एनसीपी के पूर्व नगरसेवक अशरफ शानू पठान द्वारा बीजेपी की प्रवक्ता नूपुर शर्मा पर आक्रोशित होते हुए नजर आए उन्होंने कहा हमारे नबी हुजूर करीम सल्लल्लाहो ताला अलेही वसल्लम की शान में और मां हजरत बीबी आयशा रजि अल्लाह ताला अनु की शान में किसी भी तरह की गुस्ताखी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और और जोरदार नारे लगाते हुए गिरफ्तारी की मांग करने लगे उन्होंने कहा बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा को हमारे मजहब के बारे में किसी प्रकार की कोई भी जानकारी नहीं है तो उन्हें क्या हक है कि वह हमारे नबी की शान में गुस्ताखी करें उन्होंने बताया मुंबई के विभिन्न इलाकों में बीजेपी की प्रवक्ता नूपुर शर्मा के खिलाफ मुंबई भिवंडी और मुंब्रा मैं उनके विरुद्ध में एफआईआर दर्ज की गई है उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से मांग की है एक ओडिनेंस पास करें की कोई भी राजनीतिक नेता किसी भी धर्म के विरुद्ध में अभद्र टिप्पणी करता है तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाए और उसे जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाए उन्होंने तेवर दिखाते हुए बीजेपी को आड़े हाथों लेते हुए जमीनी धूल चटा ते हुए जमकर बरसते हुए नजर आए कहा बीजेपी का बस यही एजेंडा है सिर्फ हिंदू मुस्लिम आजान धर्म और मुस्लिम समुदाय पर अभद्र टिप्पणी करना और इसके अलावा कुछ नहीं सोजता है बीजेपी सोचती है इस तरह के अनुवाद पैदा करके हम लोगों को हिंदुस्तान से बाहर कर देंगे तो उनकी गलतफहमी है हिंदुस्तान हमारे पूर्वजों का शहर है हमारे पूर्वज यही मरे हैं और हम भी यही मरेंगे किसी के बाप में ताकत नहीं कि वह हमें हमारे हिंदुस्तान से निकाल सके उन्होंने तीखे तेवर दिखाते हुए कहा बीजेपी अपनी नाकामी और निकम्मापन को छुपाने के लिए इस तरह के मामला को उत्पन्न किया जाता है ताकि जनता महंगाई की तरफ पेट्रोल डीजल सिलेंडर मीठा तेल और इत्यादि चीजों की तरफ से ध्यान को हटाना चाहती है ताकि जनता हिंदू मुस्लिम में ही उलझी रहे और आपस में लड़ते रहे और यह अपनी राजनीति करते रहे उन्होंने कहा अगर महाराष्ट्र सरकार बीजेपी प्रवक्ता को महाराष्ट्र में गिरफ्तार करके नहीं लाती है तो वह कोर्ट का दरवाजा खटखटा एंगे और बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा कर ही रहेंगे गौरतलब बात यह है बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा दिए गए विवादित बयान पर देशभर में उनकी आलोचना की जा रही है और देश के विभिन्न हिस्सों में उनके खिलाफ एफआईआर भी की गई है परंतु अब तक उनको गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया सबसे बड़ा सवाल यह पैदा हो रहा है उनके द्वारा दिए गए इस निंदनीय बयान से पूरे देश का माहौल खराब हो गया है लोग सड़कों पर उतर आए हैं और गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं अब यह मामला देश को किस ओर ले जाता है क्या महाराष्ट्र सरकार बीजेपी प्रवक्ता को सलाखों के पीछे पहुंचा पाएगी यह देखने वाली बात होगी।

महाराष्ट्र कांग्रेस में राज्यसभा चुनाव को लेकर खींचतान

इमरान प्रतापगढ़ी को उम्मीदवार बनाने से नाराज आशीष देशमुख ने प्रदेश महासचिव पद से इस्तीफा दिया

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी हाईकमान के फैसले के खिलाफ मुखर होकर बोलना शुरू किया है। यूपी के इमरान प्रतापगढ़ी को महाराष्ट्र से राज्यसभा का प्रत्याशी बनाये जाने का कड़ा विरोध करते हुए विदर्भ के बड़े नेता पूर्व विधायक डॉ. आशिष देशमुख ने प्रदेश महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। एआईसीसी सदस्य विश्वबंधु राय ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की हार होने की संभावना व्यक्त करते हुए कहा, प्रतापगढ़ी की राजनीतिक हैसियत नगर निगम का चुनाव जीताने तक की नहीं है। ठाकरे सरकार के कार्यकाल में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता पहले से उपेक्षित और अपमानित महसूस कर

रहे थे और अब पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने भी उनकी अनदेखी की है। इमरान प्रतापगढ़ी को राज्यसभा की उम्मीदवारी दिये जाने पर पहले ही अभिनेत्री एवं कांग्रेस नेता नगमा और पवन खेरा सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी नाराजगी व्यक्त कर चुके हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने भी अपनी नाराजगी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के पास व्यक्त की है। उन्होंने मुकुल वासनिक को राजस्थान के बदले महाराष्ट्र से राज्यसभा में भेजने की मांग की है। परंतु इसके बावजूद महाराष्ट्र कांग्रेस में इमरान प्रतापगढ़ी को लेकर महाभारत थमने का नाम नहीं ले रहा है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

पैगम्बर ऐ इस्लाम मोहम्मद सल्लललाहो अलेह वसल्लम की शान में गुस्ताखी हरगिज बर्दाश्त नही की जाएगीः नदीम

यह एक आपराधिक कृत्य है ऐसे नेता जो किसी भी धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी करतें हैं जो कि एक आपराधिक श्रेणी में आता है ऐसे नेता खासकर बीजेपी की प्रवक्ता नुपुर शर्मा पर सांगठनिक कार्यवाही करते हुए बीजेपी के प्रवक्ता पद एवं पार्टी की सदस्यता से निष्कासित किया जाये ताकि मुस्लिम समुदाय में यह संदेश जाये बीजेपी का नारा सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास वास्तव में सही है कुरैशी ने कहा हमे आशा ही नही बल्कि पूर्ण विश्वास है की राष्ट्रहित जनहित एवं मुस्लिम धर्म की भावनाओं को दुस्टिगत रखते हुए नूपुर शर्मा के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

मूसेवाला की हत्या के बाद सलमान की सुरक्षा बढ़ी

इसी गैंग ने सलमान को कुछ साल पहले जान से मारने की धमकी दी थी। इसे देखते हुए सलमान की सुरक्षा बढ़ाई गई है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, हमने सलमान खान की सुरक्षा बढ़ाई है। पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए उनके अपार्टमेंट के आसपास मौजूद रहेगी कि राजस्थान से गिरोह कोई हरकत न करे। लॉरेंस बिश्नोई ने कथित तौर पर काला हिरण का शिकार करने के मामले में सलमान खान की बाद हत्या की साजिश रची थी। बिश्नोई समुदाय काला हिरण को पवित्र मानते हैं और इसके शिकार को लेकर सलमान खान को जान से मारने की धमकी दे डाली थी। साल 2008 में अदालत के बाहर, लॉरेंस बिश्नोई ने कहा था कि वे जोधपुर में सलमान खान को मार देंगे। उन्होंने यह भी कहा था, अभी तो मैंने कुछ किया नहीं है, लेकिन जब सलमान खान को मारेंगे तो पता चल जाएगा। फिलहाल मुझे फालतू में घसीटा जा रहा है।

अनिल देशमुख की पोल-पट्टी खोलेंगे सजिन वाजे?

इसके बाद अनिल देशमुख की मुसीबतें और बढ़ने वाली हैं। स्पेशल सीबीआई कोर्ट के समक्ष दायर एक आवेदन में वाजे ने दावा किया कि उन्होंने अपनी गिरफ्तारी से पहले और बाद में सीबीआई के साथ सहयोग किया है, जिसके बाद आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के प्रावधानों के तहत मैजिस्ट्रेट के समक्ष उनका इकबालिया बयान दर्ज किया गया था। मैजिस्ट्रेट कोर्ट में सेक्शन 164 को तहत सचिन वाजे ने जो बयान दर्ज कराया था वह अनिल देशमुख के खिलाफ बड़ा सबूत था। कोर्ट ने साफ तौर पर कहा, हम आपको इसी शर्त पर माफी दे रहे हैं कि आप केस में अप्रूवर बनेंगे और पूरे मामले का खुलासा करेंगे। इस मामले में दूसरे आरोपियों की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। अनिल देशमुख की ओर से इस माफी का विरोध किया गया लेकिन कोर्ट ने साफ तौर पर कहा, ये सीबीआई और आरोपी के बीच का मामला है।

भाजपा नेता मोहित कंबोज व अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस बीच, कंबोज ने दावा किया कि यह प्राथमिकी फर्जी है और उनकी आवाज को दबाया नहीं जा सकता। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 'इंडियन ओवरसीज बैंक' के एक प्रबंधक ने पुलिस में शिकायत दर्ज करके आरोप लगाया है कि कंबोज और एक कंपनी के कुछ अधिकारियों ने 52 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था, लेकिन जिस उद्देश्य से यह कर्ज लिया था, इसका इस्तेमाल उसके लिए नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि शिकायत के आधार पर यहां एमआरए मार्ग पुलिस ने कंबोज और कंपनी एवं बैंक के कुछ अधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 420 (धोखाधड़ी), 409 (आपराधिक विश्वासघात) और फर्जीवाड़ा एवं आपराधिक षड्यंत्र संबंधी अन्य धाराओं के तहत मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने बताया कि मामले के आरोपियों/संदिग्धों में कंबोज, मैसर्स निसिद्ध वेंचर प्राइवेट लिमिटेड, अन्य अधिकारी और कुछ अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि कंबोज के खिलाफ प्राथमिकी को आगे की जांच के लिए शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंप दिया गया है। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार, मेसर्स निसिद्ध वेंचर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कंबोज और अन्य आरोपियों ने इंडियन ओवरसीज बैंक को कथित तौर पर 52.89 करोड़ रुपये का भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे उन्हें एवं अन्य को लाभ हुआ।

महाराष्ट्र को फिर डरा रहा कोरोना

मुंबई में अप्रैल में आए केस की तुलना में मई में कोविड मरीजों की संख्या में 100% से अधिक की बढ़ोतरी देखी गई है। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2,745 नए मामले सामने आए हैं। 6 मरीजों की मौत हो गई। देश में कुल कोविड-19 मामलों की संख्या 4 करोड़ 31 लाख 60 हजार के पार हो गई।

भयंकर गर्मी के मद्देनजर ठंडे-मीठे पानी की छबील लगाई गई

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। मानव सेवा समिति (रजि.) अबोहर के सेवादारों द्वारा आए दिन मानवता की भलाई के लिए कोई न कोई सेवा कार्य किया जा रहा है जिससे आम लोगों का भला हो रहा है। इस बात को सार्थक करते हुए स्थानीय सीतो रोड पर स्थित भगत नाम देव चौक पर संस्था के चेयरमैन सुभाष मानव की अगुवाई में ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई गई। जिसमें काफी संस्था में संस्था के सेवादारों ने सड़क से गुजरने वाले वाहनों को रोक -रोक कर ठंडा व मीठा पानी राहगीरों को पिलाया गया। छबील को सुबह से प्रारंभ कर के दोपहर बाद तक लगाया गया। जिसमें दिनभर सैंकडों लोगों की प्यास बुझाई गई। संस्था के चेयरमैन सुभाष मानव ने कहा कि ज्येष्ठ माह की भीषण गर्मी में प्यास से व्याकुल जीव को पानी पिलाना, उसे नया जीवन देने के समान है। संस्था द्वारा गर्मी के समय मे पक्षियों के लिए पानी के मिट्टी के बर्तन लटकाने की सेवा भी काफी समय से की जा रही है, इसी सेवा को आगे बढ़ाते हुए और भीषण गर्मी से बचाव के लिए संस्था के दफ्तर के सामने मानव सेवा समिति, प्रीत इलेक्ट्रॉनिक, ममता रानी और एकता कॉलोनी निवासियों के सहयोग से ठंडे मीठे पानी की छबिल लगाई गई।इस सेवा में संस्था के सेवादारों अमित कुमार,विजय तुंगरिया, सुरिंदर कुमार उर्फ सोनू, राजकुमार उर्फ राजा पेंटर, महेंद्र कुमार, सोम गांधी, अनिल कुमार, रेशम सिंह, साजन सचदेवा, प्रीतम सिंह,हरपाल सिंह, हरजीत सिंह, पवन कुमार, आकांक्षा देवी, सुनीता देवी, सतपाल, ओम प्रकाश, सुमन देवी,ज्योति, गुरदास सिंह, मेंन पाल, गीता गांधी, रोशन लाल, रामकुमार,ज्योति देवी, अंकिता, बलविंदर और दास सुभाष मानव सहित अन्य सेवादारों ने भाग लिया।

मुस्लिम महासंघ ने हकीम खान सूरी की मजार पर चादर पेश करके खिराजे अकीदत पेश की

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। मुस्लिम महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली ने बताया कि प्रताप जयंती पर होने वाले साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत महाराणा प्रताप के वीर सेना पति हकीम खान सुरी की हल्दी घाटी स्थित मजार पर चादर पेश कर खिराजे अकीदत पेश की। राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मुहम्मद बक्ष ने कहा कि हकीम खान सूरी एव मुस्लिम समाज हमेशा से ही अपनी मातृ भूमि के लिए अपनी कुर्बानी देता आया है। हकीम खान सुरी की शहादत यह बताती है की सामने कोई भी हो हमे मातृभूमि की रक्षा करनी है उसके लिए अपनी जान भी देना पड़े तो हसते हंसते दे देंगे। इस मौके पर मुस्लिम महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव के आर सिद्दिकी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शफी मेकेनिक, संभाग उपाध्यक्ष शादाब खान, मुल्तानी सेवा संस्था के इरफान मुल्तानी समाजसेवी, युसूफ खान इकबाल भाई शेरू भाई आदि पदाधिकारी मौजूद थे।

खराब हैण्ड पम्पों की मरम्मत चालू कराये जाने की मांग

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। नगर के समस्त वार्डो में जगह जगह हेंड पम्पों की हैं सुविधा उपलब्ध, अधिकाश मोहल्लों में हेंड पम्प खराब स्थिति में बन्द, विभाग द्वारा नहीं ली जा रही हैं कोई जहमत, नगर वासियों द्वारा की गई हैं मांग नगर के अधिकांश मोहल्लों में सरकार के दिशा निदेशों के अन्तर्गत इण्डिया मार्का हेंड पम्प नगर वासियों की सुविधा हेतु लगायें जा चुके हैं अधिक्तर हेंड पम्प खराब स्थिति के होने के चलते बन्द पड़े हुए हैं भीषण गर्मी के चलते पानी को अधिक्तर पीने योग्य प्रयोग में लाया जाता हैं जानवरों को भी पानी पीने की आवश्यकता होती हैं जिससे मनुष्य एवं पशु वंचित रहते नजर आ रहें हैं विभागीय स्तर पर कोई खास देखभाल एवं तवज्जो तक नहीं दी जा रही हैं खराब हेंड पम्पों की मरम्मत आदि देखभाल किये जाने को लेकर नगर वासियों द्वारा लगातार अवगत भी कराया जाता हैं फिर भी उसके उपरान्त नजर अन्दाज कर टामटमोल कर दिया जाता हैं हेंड पम्पों की गम्भीर समस्या को देखते हुए भीषण गर्मी का ध्यान रखते हुए शीघ्र खराब हेंड पम्पों की मरम्मत आदि कर चालू कराये जाने की मांग की गई हैं पत्र पर अतीकुर्रहमान सल्मानी, मु० सलीम कसगर, मु० नईम, मु० नसीम, मु० इस्लाम कुरैशी, मु० नईम डेयरी के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

ऑल इंडिया ग्रोमो कॉम्पिटिशन में उल्लेखनीय सफलता पर छात्रों का सत्कार

संवाददाता/अशफाक युसुफ

मलकापुर। ऑल इंडिया ग्रोमो कॉम्पिटिशन में पूरे भारत से 80000से 90000 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया था। जिस में मलकापुर जिल्हा बुलढाणा के सैयद नदीम सैयद अमीन कुरेशी, डॉक्टर सलीम कुरेशी के भतीजे, पूरे इंडिया में पहले क्रमांक आने पर उनका सत्कार हाल ही में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में गग्रोमों ऐप के सी,ई,ओ अंकित खंडेलवाल और पुष्कर राज ठाकुर के हाथों ट्रॉफी और पहला प्राइज आईफोन13प्रो दिया गया। इस प्रोग्राम को गिनीज बुक में रिकॉर्ड किया जाना है इस संदर्भ में दिनांक 30 मार्च 2022 को मलकापुर मतदार संघ के लोकप्रिय विधायक राजेश जी एकड़े इन्होंने मलकापुर विश्राम ग्रह पर सैयद नदीम सैयद अमीन कुरैशी का सत्कार किया और इन्हें शुभकामनाएं दी, इस अवसर पर डॉ अरविंद जी कोलते साहब, रशीद खान जमादार साहब, बंडू भाऊ चौधरी, राजू भाऊ पाटिल, राजू भाऊ वाडेकर, डॉक्टर सलीम कुरेशी, युसूफ खान,

एडवोकेट जावेद कुरेशी, जाकिर मेमन, असगर जमादार, रऊफ सेठ, एडवोकेट इरशाद, मोइन सर, अमीन कुरेशी, मोबीन कुरेशी, सैयद हसन कुरेशी, सय्यद शोएब, अजीम कुरेशी, साजिद कुरेशी, सय्यद हमीद, सैयद आजाद, सैयद अनवर, वसीम कुरेशी, मोहसिन कुरेशी, सैयद यासीन, सादिक कुरेशी फहीम कुरेशी, सैयद इमरान और मलकापुर के बहुत से लोग मौजूद थे।

केके की मौत पर दावे: ऑडिटोरियम में क्षमता से ज्यादा भीड़ थी, एसी नहीं चल रहा था, पसीने से बदहाल सिंगर ने की थी शिकायत

मुंबई। बॉलीवुड सिंगर केके (कृष्ण कुमार कुन्नथ) का मंगलवार को कोलकाता में लाइव कॉन्सर्ट के बाद निधन हो गया। वे 53 साल के थे। केके कोलकाता के नजरूल मंच पर अपनी परफॉर्मेंस दे रहे थे। केके की मौत पर अननैचुरल डेथ का केस दर्ज किया गया है और परिवार की सहमति मिलने के बाद बॉडी का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है केके के सिर में चोट के निशान मिले हैं। इस बीच एक चश्मदीद ने दावा किया है कि केके की मौत की वजह ऑर्गनाइजर्स का मिसमैनेजमेंट था। सोशल मीडिया पोस्ट में चश्मदीद ने लिखा- बंद ऑडिटोरियम में भीड़ बहुत थी और एसी काम नहीं कर रहा था। केके एक दिन पहले भी एसी को लेकर शिकायत कर चुके थे। यह मौत नॉर्मल नहीं थी। नीलोफर हुसैन ने सोशल मीडिया पर एक लंबी-चौड़ी पोस्ट की है। उन्होंने लिखा- नजरुल मंच (कॉन्सर्ट का वेन्यू) में एसी काम नहीं कर रहा था। इसी जगह पर केके ने एक दिन पहले भी परफॉर्मेंस दी थी। उन्होंने एसी को लेकर पहले भी शिकायत की थी, क्योंकि उस दिन भी उन्हें बेतहाशा पसीना आ रहा था। पहली बात... यह खुला हुआ ऑडिटोरियम नहीं था। जब इतना पैसा लिया जा रहा है तो आयोजकों को अपनी तैयारियों का भी ध्यान रखना था। अगर आप परफॉर्मेंस का वीडियो ध्यान से देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि केके को बहुत पसीना आ रहा था। वे बार-बार पसीना पोंछ रहे थे।

पैदल वारी यात्रा पंढरपुर के लिए रवाना भक्तों का फुल माला पहनाकर किया अभिनंदन

बुरहानपुर। बुरहानपुर जिले के शाहपुर नगर से छह लोग पंढरपुर यात्रा के लिए मंगलवार को पैदल रवाना हुऐ यात्रा के लिए रवाना हुए यात्रीयो में ह.भ.प. शामराव नामदेव हिरवे, ह.भ.प.नगीन माधव चौधरी तथा चार महिलाएं धुरपदा बाई रामभाऊ चौधरी, बेबी बाई सुधाकर नावडे, किरण बाई राजु पवार, सुशिला बाई पाटील भी यात्रा में शामिल हुई महाराष्ट्र में कई स्थानों से ऐसी सैकड़ों वारियां एकत्रित होकर एक बड़ा कारवा बनेगा। जो विठ्ठल महाराज का दर्शन कर वापस लौटेगी। वारकरी संम्प्रदाय के संजय चौधरी ने बताया कि वारी से जुड़ने पर मनुष्य के विचारों में परिवर्तन होता है तो उसके आचरण में भी परिवर्तन होता है। यह पूरी प्रक्रिया वारी में अपने आप शुरू हो जाती है, क्योंकि वारी का उद्देश्य है-ईश्वर के पास पहुंचना, निकट जाना। वारी में दिन-रात भजन-कीर्तन, नामस्मरण चलता रहता है। अपने घर की, कामकाज की, खेत की समस्याओं को पीछे छोड़कर वारकरी वारी के लिए चल पड़ते हैं, किंतु वारकरी दैववादी बिल्कुल नहीं होता, बल्कि प्रयत्नवाद को मानकर अपने क्षेत्र में अच्छा कार्य करता है, क्योंकि हर काम में वह ईश्वर के दर्शन ही करता है। यह छह यात्री महाराष्ट्र के मेहुन के मुक्ताई मंदिर जायेंगे तथा वहाँ से दींडी के साथ पंढरपुर यात्रा के लिए रवाना होगे शाहपुर से वारकरी संम्प्रदाय के लोगों के द्वारा यात्रीयो को फुल माला पहनाकर, चरण छुकर पंढरीनाथ महाराज की जय, आदीमाया शक्ति मुक्ताई माता की जय गर्जना करते हुए रवाना किया गया। इस अवसर पर शाहपुर नगर के वारकरी संम्प्रदाय सहित प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

महाराष्ट्र सरकार ने तेल और तिलहन व्यापारियों को दी बड़ी राहत

संगठन के प्रयत्नों से मिली सफलता: शंकर ठक्कर

मुंबई। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कौनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महानगर मुंबई प्रांत के अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने खुशी जताते हुए कहा हर बार केंद्र सरकार तेल एवं तिलहन के दामों में बढ़ोतरी होने पर व्यापारियों पर स्टॉक सीमा लादती है तब तब व्यापारियों पर राज्य सरकारों को मजबूरन लाइसेंस जारी करने पड़ते हैं। भारत सरकार के आपूर्ति विभाग द्वारा महाराष्ट्र सरकार को खाने के तेलों के दामों में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए स्टॉक सीमा लगाने के आदेश जारी किए थे उस वक्त हमने महाराष्ट्र के नागरिक आपूर्ति विभाग के मुख्य सचिव को मिलकर महाराष्ट्र की परिस्थितियों के बारे में अवगत कराया था और स्टॉक सीमा ना लगाने की गुजारिश की थी सचिव साहब ने महाराष्ट्र राज्य यह तेल के मामले में अन्य राज्य और विदेशों से आयात होने वाले तेलों पर निर्भर होने के नाते स्टॉक सीमा ना लगाने की बात को समर्थन दिया था और आदेश जारी किया था। फिर से केंद्र सरकार ने 3 फरवरी 2022 को देश के सभी राज्यों को केंद्र सरकार ने खुद सीमा की मात्रा तय कर उसे लागू करने का आदेश जारी किया। इस विषय पर माननीय सचिव साहब से हितधारकों की बैठक बुलाने की गुजारिश की और सचिव साहब ने महाराष्ट्र के प्रमुख तेल तिलहन संगठनों की आभाषी बैठक बुलाकर हितधारको से सुझाव मांगे अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी संगठन की ओर से हमने सरकार से कई प्रकार के लाइसेंसी राज में उलझे हुए

व्यापारियों को और एक नए लाइसेंस लेने पर मजबूर न किया जाए क्योंकि हर एक व्यापारी के पास सरकार के विभिन्न विभागों के लाइसेंस होते हैं और उसी लाइसेंस को मंजूरी देकर नया लाइसेंस एवं लाइसेंसी प्रक्रिया से व्यापारियों को राहत दी जाए और व्यापारियों के लिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की बात को बल मिले ऐसे प्रयत्न किए जाए। सचिव साहब ने इस विषय पर अध्ययन कर एवं केंद्र सरकार की मंजूरी लेकर 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' को चरितार्थ करने का हर संभव प्रयत्न करने का आश्वासन दिया। दिनांक 14/03/2022 को हुई बैठक में तेल एवं तिलहन व्यापारियों के पास FSSAI (भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण) का लाइसेंस होता ही है। जबकि स्टॉक प्रतिबंध के लिए अन्य लाइसेंसों की आवश्यकता होती है या कैसे केंद्र सरकार अधिकारियों से जानकारी लेने बाद यह का निर्णय लिया गया। इस संबंध में जब केंद्र सरकार के अधिकारियों से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि स्टॉक प्रतिबंध यह स्पष्ट किया गया है कि आदेश के निष्पादन के लिए अलग से लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है। शंकर ठक्कर ने आगे कहा इस निर्णय से तेल एवं तिलहन व्यापार से जुड़े महाराष्ट्र भर के सभी व्यापारियों को बहुत बड़ी राहत मिली है और देश में आजादी के बाद पहली बार किसी राज्य द्वारा तेल और तिलहन पर स्टॉक सीमा आदेश जारी होते हुए भी नया लाइसेंस लेने पर व्यापारियों को बाध्य नहीं किया गया है इसके लिए हम महाराष्ट्र सरकार एवं सचिव श्री विजय वाघमारे जी के आभारी हैं। संगठन के महामंत्री तरुण जैन ने कहा महाराष्ट्र सरकार द्वारा लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय का हम स्वागत करते हैं एवं व्यापारियों को दी गई इस बड़ी राहत के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। हम महाराष्ट्र की तर्ज पर ही अन्य राज्यों से भी गुजारिश करेंगे की तेल और तिलहन व्यापार को लाइसेंसी राज से मुक्त करें।

कांग्रेस में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा चिंतन शिविर बाद भी चिंताऐं बरकरार: एन डी कादरी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। आरटीआई एवं सामाजिक कार्यकर्ता एन डी कादरी के मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, प्रदेश अध्यक्ष एवं सोनिया गांधी को पत्र लिखकर बताया कि इस समय कांग्रेस में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा चिंतन शिविर के बाद तो कांग्रेस के जिम्मेदार नेता कांग्रेस को पुरी तरह भाजपा के साथ मिलकर धरातल पर लें जाने में मशगूल, जिसका खामियाजा कांग्रेस के चंद जुझारू एवं कर्मठ निष्ठावान कार्यकर्ताओं को झेलना पड़ता है।

कादरी ने बताया कि बीकानेर में पिछले दिनों नगर निगम की साधारण सभा की बैठक में देखने को मिला।आयुक्त द्वारा आयोजित बैठक के अंदर नगर निगम में शहर की जन समस्याओं को लेकर पहली बार बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में भाजपा के सभी पार्षदों महापौर ने बैठक का बहिष्कार किया, बहिष्कार का कारण था नगर निगम के आयुक्त महोदय द्वारा सोशल साइट पर कुछ कमेंट लिखना, नगर निगम की कार्यवाही बाबत। इसको लेकर भाजपा ने बैठक के मुद्दे पर वकआउट की घोषणा की और कांग्रेस सरकार को कोसा कांग्रेस शहर विधायक, सरकार के मंत्री डॉक्टर बी. डी. कल्ला व उनके परिवार को भी कोसा एवं मुख्यमंत्री को भी निशाना बनाया गया। आयुक्त नगर निगम से इस बाबत वार्ता हुई व उनका कहना है कि मैंने ऐसे कोई स्टेटमेन्ट या सन्देश नही दिया जिससे की मिटिंक बहिष्कार किया जायें जबकि मैंने सिर्फ मिटिंग बुलाने का नियमों का हवाला मात्र दिया है। इसके बाद कांग्रेस के कुछ पार्षदों को उस मैसेज के हवाले से बहिष्कार के लिए कहा गया। शायद नेता प्रतिपक्ष की पहली साधारण सभा होने व नेता प्रतिपक्ष की लीडरशिप की परीक्षा, परंतु नेता प्रतिपक्ष ने महापौर के साथ सुर से सुर मिलाए और बैठक के बहिष्कार की घोषणा कर दी जबकि भाजपा बोर्ड में विपक्ष के नाते जनहित के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए विपक्ष के पार्षद लगातार मांग कर रहे थे। साधारण सभा में हंगामा करते, जबकि यही कांग्रेस पार्षद जनता के हितेषी बने घूम रहे थे। आज जब मौका था बीकानेर शहर की जनता की आवाज को उठाने का भाजपा बोर्ड के खिलाफ बोलने का, उस वक्त नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष अपने कुछ साथी पार्षदों के साथ महापौर के साथ सुर से सुर मिलाते हुए आयुक्त नगर निगम के खिलाफ सदन के अंदर आई। अपने पार्षदों के साथ उपस्थिति दर्ज करवाई और शोर-शराबा किया और अपने पार्षदों के साथ बैठक का बहिष्कार किया। साफ तौर पर भाजपा की महापौर एवं पार्षदों की बहिष्कार की घोषणा के साथ कांग्रेस को सड़क पर ला दिया। कांग्रेस के जांबाज जनता के सेवक इमानदार विपक्ष के रूप में कुछ पार्षद कांग्रेस पार्टी की साख बचाने के लिए सदन में डटे रहे और साधारण सभा को करीब 2 घंटे चलाया और शहर की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की साथ ही साथ पूर्व नेता प्रतिपक्ष सहित कुछ कांग्रेस पार्षदों ने सदन में अपने साथी पार्षद नंदलाल जावा का नाम सदन के अध्यक्ष के रूप में रखा सभी साथियों ने सर्वसम्मिति से नंदलाल जावा को इस शहर की सरकार में 1 दिन का महापौर अध्यक्ष के रूप में बना दिया। यह भी एक इतिहास पहली बार इन जांबाज पार्षदों ने कर दिखाया और नगर निगम की बैठक में जमकर भाजपा को कोसा महापौर सदन छोड़ के भागी उसको लेकर भी सवाल जवाब किए और

शहर के विकास पर किस प्रकार से काम किया जा सके उस पर चर्चा हुई। महापौर द्वारा चल रहे भ्रष्टाचार की जांच की मांग की साथ ही साथ अपनी सरकार की उपलब्धियां भी बताइए। एक बार फिर से खुलकर गुटबाजी भी बीकानेर की जनता में उजागर होने से नहीं रोक पाये। जबकि नेता प्रतिपक्ष का अपने पार्षदों के साथ इस तरह बहिष्कार करना किसकी सह पर ऐसा किया गया यह भी कांग्रेस पार्षदों में चर्चा बनी रही तथा कांग्रेस को दो हिस्सों में बंटा दिखाई दिया।

एन.डी. कादरी ने कहा कि अब स्पष्ट हो गया कांग्रेस में ब्लॉक स्तर से लेकर केंद्र तक कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की रिश्तेदार चेतना डोटासरा ने नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने में विफल रही। शहर की जनता के साथ धोखा किया और सदन में बिना चर्चा के महापौर के साथ सुर से सुर मिलाते हुए बहिष्कार करके चली गई। इसके पीछे कारण क्या रहा होगा यह अन्दर..की बात है वही जाने यह कांग्रेस के लिए आने वाले दिनों में अच्छे संकेत नजर नहीं आ रहे हैं। जनता इनको माफ नहीं करने वाली, कांग्रेस के अंदर जिस प्रकार से गुटबाजी चल रही है इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। अगर इसी तरह यही चलता रहा तो बीकानेर नगर निगम में कांग्रेस का बोर्ड बनने की संभावना दूर-दूर तक कभी नजर नहीं आती है। जिस महापौर को कांग्रेस पार्टी के पार्षद लगा था साधारण सभा के लिए बुलाते रहे कोसते रहे । और जब मौका मिला साधारण सभा का बहुमत में होते हुए भी सदन एकजुट होकर इतिहास बनाते और आने वाले वक्त में इस बोर्ड को गिराने का काम भी शायद हो जाता और लोगों में भी एक उम्मीद होती कि विपक्ष एक है और भाजपा का यह बोर्ड कभी भी गिर सकता है। परंतु जिस प्रकार से प्रतिपक्ष के नेता ने अपनी भूमिका निभाई इससे तो ऐसा लगता है कि भाजपा यहां बोर्ड अच्छे से चला पाएगी। कांग्रेस का साथ लेकर और कांग्रेस गुटबाजी में शहर को 10 साल और पीछे ले जाएगी इसके पीछे जनता जनार्दन सब जानती है। उधर ज्ञानवापी पर भी जिला प्रवक्ता से राष्ट्रीय प्रवक्ता तक ज्ञान बांटने लगे हैं। समय आने पर सब हिसाब होगा। जबकि मामला न्यायालय में चल रहा। फिर भी दोषी भाजपा आर.एस.एस. ऐसा क्यों? कांग्रेस को नहीं भुलना चाहिए कि राजस्थान में चुनाव होने में भी बहुत कम समय शेष बचा है।

साकीनाका बलात्कार-हत्या मामला: दोषी को मौत की सजा देने का अनुरोध

मुंबई। साकीनाका बलात्कार एवं हत्या मामले में अभियोजन पक्ष ने बुधवार को 45 वर्षीय दोषी के लिए मौत की सजा देने का अनुरोध किया, जिसने पिछले सितंबर में मुंबई के साकीनाका इलाके में 34 वर्ष की एक महिला के साथ बलात्कार किया था और उसके निजी अंगों में रॉड डालकर उसकी हत्या कर दी थी। अभियोजन ने कहा कि यह अपराध 'दुर्लभतम श्रेणी' में आता है। आरोपी मोहन चौहान को 30 मई को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (डिंडोशी अदालत) एच सी शेंडे द्वारा बलात्कार और हत्या के लिए भारतीय दंड संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया गया था। अदालत बृहस्पतिवार को उसकी सजा पर फैसला सुना सकती है। अभियोजन पक्ष की ओर से पेश अधिवक्ता महेश मुले ने बुधवार को अदालत में दलील दी, यह एक महिला और वह भी अनुसूचित जाति की महिला के खिलाफ अपराध है जो इसे और गंभीर बनाता है। उन्होंने कहा, यह रात के समय एक असहाय, अकेली महिला पर एक भीषण हमला है, जिससे मुंबई जैसे महानगर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भय उत्पन्न किया है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि मामला पूरी तरह से 'दुर्लभतम' मामले के मानदंडों में फिट बैठता है और इसलिए आरोपी को मौत की सजा दी जानी चाहिए। चौहान ने पिछले साल सितंबर में 34 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार किया था और उसके निजी अंगों में रॉड डाल दी थी। महिला की अगले दिन एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

दैनिक मुंबई हलचल

जरुरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कर चोरों का अड्डा बना कानपुर, एक और पान मसाला कारोबारी के यहां आयकर के छापे से हड़कंप

दस्तावेज खंगालने में जुटीं आयकर की टीमें, करोड़ों के कर चोरी की आशंका

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। उत्तर प्रदेश का अति संवेदनशील महानगर आजकल शातिर दिमाग कर चोरों का अड्डा बना हुआ बताया जाता है। जिसके खिलाफ आकर विवाह की कार्रवाही भी लगातार जारी है। इसी क्रम में आयकर विभाग की टीम ने आज यहां बुधवार को एक और पान मसाला कारोबारी के दफ्तर में छापा मार कर व्यापारी उद्यमियों में हड़कंप मचा दिया। छापे की इस जारी कार्रवाही के दौरान पान मसाला कारोबारी के दफ्तर में लेनदेन से जुड़े दस्तावेज खंगालने शुरू किए गये हैं। इस बीच प्रतिष्ठान के बाहर दो सुरक्षा कर्मी भी तैनात कर दिए गए हैं ताकि कोई बाहर से अंदर न आ सके और न ही कोई बाहर जा सके। आयकर विभाग की छापामार कार्रवाई समाचार लिखे जाने तक जारी है। जानकारी के मुताबिक आज बुधवार सुबह आयकर विभाग की टीम ने पान मसाला कंपनी के मालिक के स्वरूप नगर स्थित आवास, दादा नगर स्थित फैक्ट्री, नयागंज स्थित ऑफिस के अलावा करीब एक दर्जन ठिकानों पर एक साथ छापामार कार्रवाई की है। बताया गया कि आज सुबह एक साथ आयकर विभाग की टीमें योजनाबद्ध तरीके से सभी ठिकानों पर पहुंची। छापे की कार्रवाई के दौरान कुछ और पान मसाला कारोबारी जद में आए हैं, जिन्होंने कानपुर से अपना कारोबार बंद कर दिया है। इस कार्रवाही में पान मसाला कंपनी को माल की सप्लाई करने वाले और उनसे माल खरीदने वाले बड़े लोगों को भी शामिल किया गया है। फिलहाल ताबड़तोड़ छापे की इस कार्रवाही से पान मसाला उद्यमियों में हड़कंप मचा हुआ है।

नरौली में चला बाबा का बुलडोजर ई ओ ने हटवाया अवैध अतिक्रमण

संवाददाता/अरमान उल हक

संभल। जनपद संभल में शासन के आदेशानुसार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। नगर पंचायत नरौली में अधिशासी अधिकारी भूपेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया इस दौरान बुलडोजर से अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया गया कुछ लोगों ने मकानों और दुकानों के आगे गैर कानूनी तरीके से अवैध निर्माण कर लिया था जिससे राहगीरों के लिए आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी पहले भी अधिशासी अधिकारी भूपेंद्र प्रताप सिंह ने अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों के लिए तीन दिन के अंदर अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी थी अतिक्रमण हटाओ

अभियान मोहल्ला मकुपुरा धीमर वाली पुलिया से शुरू होकर पीपल वाला, मैन मार्केट,सब्जी मंडी, काजी टोला, नई बस्ती, मंशा देवी, बड़े मदरसे तक अवैध अतिक्रमण धवस्त कराया गया इस दौरान प्रेस वार्ता के दौरान अधिशासी अधिकारी भूपेंद्र प्रताप सिंह ने प्रेस रिपोर्टर अरमान उल हक साहब के लिए कि शासन के आदेशानुसार अतिक्रमण हटाओ अभियान उत्तर प्रदेश में चलाया जा रहा है जोकि बिना भेदभाव के निष्पक्ष तरीके से नरौली में पुलिस प्रशासन के सहयोग से चलाया गया है सत्ता पक्ष के नामित सदस्य संजीव राघव के अवैध अतिक्रमण को भी बुलडोजर चला कर हटाया गया इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। एस ओ बनिया ठेर कर्मपाल सिंह, नरौली चौकी प्रभारी सतीश कुमार मोरल सहित कार्यालय लिपिक के पी सिंह, लिपिक राजीव कुमार, सहित निकाय कर्मी, पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

कानपुर में चौकी इंचार्ज से खोया आईफोन वापस पा खुश हुआ व्यवसाई परिवार

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां जिले में जहां मोबाइल लूट और चोरी की घटनाओं में पहले से काफी हद तक विराम लगा है। वहीं दूसरी ओर अपना मोबाइल रास्ते में खो देने वालों की भी कमी नहीं है, जिसकी पुष्टि दर्ज कराई जाने वाली अधिसंख्य रिपोर्टों से भी होती है। ऐसे ही आईफोन मोबाइल को एक राहगीर की ईमानदारी ने यादव मार्केट की चौकी प्रभारी गीता सिंह को सौंप दिया, जिसे बाद में बर्रा थाना क्षेत्र में रहने वाले व्यवसाई नीरज दीक्षित के बेटे शुभम दीक्षित को बुलाकर उनका खोया हुआ कीमती आईफोन वापस कर दिया गया। जिससे खुश होते हुए व्यापारी ने यादव मार्केट की सरल और शालीन स्वभाव की चौकी प्रभारी गीता सिंह का आभार व्यक्त करते हुए फोन वापस करने वाले युवक को पुरस्कृत भी किया। जानकारी के मुताबिक यह आईफोन बर्रा थाना क्षेत्र में रहने वाले जागरण पार्टी के कलाकार गायक और डांसिंग क्लास चलाने वाले बृजवासी अभिजीत को मिला था, जिसने अपने पिता के साथ पुलिस चौकी यादव मार्केट पहुंच कर उसे अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले और पीड़ितों की तत्काल सहायता के लिए भी चर्चित सब इंस्पेक्टर गीता सिंह के हवाले किया था। रास्ते में खोए हुए शुभम के मोबाइल फोन को ईमानदारी से वापस करने के लिए अभिजीत की सराहना करते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य शैली की कठोर परिश्रम वाली यादव मार्केट की तेजतर्रार और व्यवहार कुशल चौकी प्रभारी गीता सिंह ने उसे पुरस्कृत कर पीठ भी थप थपाई।

अंजुमने वारसिया पर मनाया गया सरकार वारिस पाक का सालाना उर्स

संवाददाता/अरमान उल हक

संभल। सरकार वारिस-ए-पाक आलम पनाह का सालाना उर्स मुबारक अपनी रस्मो के साथ सम्पन्न हो गया। मुल्क व शहर में अमन शांति एवं भाईचारे को दुआ की गई। बुधवार की सुबह सादिक नगर के मौहल्ला कोट पूर्वी स्थित अंजुमने वारसिया डाकखाने पर सरकार वारिस पाक आलम पनाह का सालाना उर्स मुबारक अकीदत के साथ मनाया गया। अंजुमन-ए-वारसिया सम्भल की ओर से आयोजित उर्से वारिस पाक मे असलम वारसी कव्वाल उझारी, राजा सरफराज रामपुर ने सूफियाना कलाम पेश करते हुए अकीदतमन्दो को झूमने पर मजबूर कर दिया। पूरी रात चले कार्यक्रम के बाद सुबह सादिक चार बजकर तेरह मिनट पर हाजी हाफिज सैयद सरकार वारिस पाक आलम पनाह के कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। सलातो सलाम के नजराने पेश करते हुए मुल्क मे अमन शांति एवं भाईचारे को दुआ कराई गई। अंत में सभी को तबर्रूक बांटा गया अध्यक्ष वकील अहमद वारसी ने सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सूफी साबिर हुसैन वारसी, चन्दा खां वारसी, उस्मान वारसी, अच्छन वारसी, अयाज नबी खां, साबिर हुसैन, रेहान वारसी, अब्दुल वदूद खां वारसी, फरजन्द अली वारसी, सोनू साबरी, फैज साबरी, नफभ्स वारसी, मोहसिन वारसी आदि मौजूद रहे।

चोरों ने सोमनाथ महाराज संस्थान की दान पेटी में सेंध लगाई, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

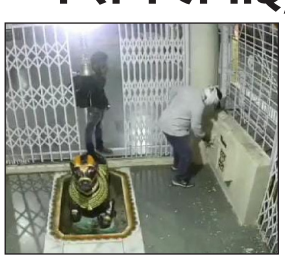

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। चिखली तहसील के डोंगरशेवली में प्राचीन सोमनाथ महाराज संस्थान मंदिर में चोरों ने सेंध लगा दी है। मंदिर की दानपात्र से 45 हजार रुपए की नकदी चोरी हो गई। चोरी की ये वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें चोर मंदिर की दान पेटी को तोड़ते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। चोरों ने यह वारदात 1 जून रात के समय की है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस अब इस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। चिखली तहसील के डोंगरशेवली में प्राचीन महादेव का मंदिर है और पंचकृषि के भक्तों का मंदिर है। चूंकि इस स्थान पर जिले भर से श्रद्धालु आ ते हैं, इसलिए दानदाताओं की संख्या भी काफी है।यह सब देख चोरों ने आधी रात का फायदा उठाया और मंदिर में रखी दान पेटी तोड़कर नगदी रकम लेकर फरार हो गए। चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। मामले की जांच अमडापुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत की जा रही है।

बीजेपी की राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया जाए,रजा एकेडमी ने की मांग

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। हजरत मोहम्मद पैगंबर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई समुदायों के बीच नफरत फैलाने और देश की शांति को भंग करने की कोशिश करने वाली भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा और टाइम नाउ चैनल न्यूज एंकर के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग रजा अकैडमी की ओर से निवेदन द्वारा राज्य के गृह मंत्री से की है। निवेदन के मुताबिक के, बीजेपी की राष्ट्रीय प्रवक्ता नुपुर शर्मा को टाइम्स नाउ पर टाइम डिबेट कार्यक्रम में आमंत्रित किया। कार्यक्रम के दौरान नुपुर शर्मा ने पैगंबर मोहम्मद और उनकी पत्नी और सभी मुसलमानों की मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। चैनल की एंकर और पत्रकार नविका कुमार ने इस समय शर्मा को रोकने की कोशिश नहीं की, क्योंकि इससे मुसलमानों की भावनाएं आहत हुई हैं। निवेदन में चैनल और नूपुर शर्मा के खिलाफ धारा 153ए, 153बी, 295 (ए), 504, 505, (1), 505, (2) के तहत मामला दर्ज करने की मांग की गई। निवेदन पर रजा एकेडमी के पदाधिकारियों के हस्ताक्षर मौजूद थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मॉनसून में इन तरीकों से करें पैरों की साफ-सफाई, बनेंगे सॉफ्ट

बारिश भला किसे पसंद नहीं। लेकिन जैसे ही दिमाग में यह ख्याल आ जाता है कि बारिश से इंफेक्शन और कई बीमारियां भी फैल जाती हैं तो मानों दिल में हलचल-सी मच जाती है। सेहत की देखभाल के साथ-साथ साफ-सफाई को लेकर भी सावधानी बरतने और अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है। मॉनसून में सिर्फ स्किन ही नहीं पैरों की सेहत का भी ख्याल रखने की जरूरत होती है। अगर यह कहा जाए कि मॉनसून में पैरों की साफ-सफाई पर सबसे अधिक ध्यान देने की जरूरत होती है, तो गलत नहीं होगा। पैर ही सबसे पहले बारिश के पानी और कीचड़ के संपर्क में आते हैं। इनकी सफाई न की जाए तो फंगल इंफेक्शन और कई अन्य बीमारियां हो सकती हैं। यहां कुछ तरीके बताए जा रहे हैं जिनके जरिए आप मॉनसून में अपने पैरों को हेल्दी रख सकते हैं:

1- बारिश के मौसम में चूंकि इफेक्शन फैलने का खतरा अधिक होता है इसलिए अपने पैरों को ड्राई रखने की कोशिश करें। घर में जब हों तो उन्हें ड्राई रखें और अच्छी तरह से मॉइश्चराइज करें।

वजाइना की डार्कनेस इन तरीकों से करें दूर

मॉनसून में स्किन से खानपान तक का रखें ध्यान

2- बारिश में पैर गीले होने के साथ कीचड़ में भी सन जाते हैं। ऐसे में पैरों को पानी से धोने के बाद ऐंटीबायॉटिक सोप या जैल से साफ करें और फिर टेलकम पाउडर लगा लें। यह पैरों को ड्राई रखने में मदद करता है।

3- मॉनसून में एथलीट फूट की समस्या भी हो जाती है और अगर इसे नजरअंदाज किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकती है। यह समस्या तब होती है पैर लंबे समय तक गीले रह जाएं। इससे बचने के लिए पैर तो सूख रखे हीं, साथ ही फुट पाउडर भी लगाएं।

वजाइना की डार्कनेस इन तरीकों से करें दूर

खूबसूरत दिखने के लिए अंदर से खूबसूरत महसूस करना जरूरी है, लिहाजा ब्यूटी का सबसे जरूरी हिस्सा ग्रूमिंग है। शरीर के बाकी हिस्सों की अपेक्षा प्राइवेट पार्ट्स इस मामले में पीछे रह जाते हैं। वजाइनल एरिया की स्किन सेंसिटिव होती है और यहां रैशेज, ऐलर्जी और डार्क स्पॉट्स जल्दी होते हैं। प्राइवेट पार्ट की स्किन डार्क होने की समस्या से हममें से ज्यादातर लोग कभी न कभी जूझते हैं। बाजार में बिकने वाली वाइटनिंग क्रीम प्राइवेट पार्ट को ज्यादा डार्क बना सकती हैं साथ ही इनसे ऐलर्जी वगैरह का डर भी रहता है। स्किन के डार्क होने की कई वजहें होती हैं जैसे स्मोकिंग हेयर रिमूविंग क्रीम, टाइट कपड़े, स्किन इन्फेक्शन, बढ़ती उम्र या मोटापा वगैरह। यहां हैं वजाइना का रंग प्राकृतिक रूप से निखारने के कुछ उपाय...

➤1 चम्मच नारियल तेल में 1 चम्मच शहद मिलाकर इस मिक्सचर को 20 सेकंड तक माइक्रोवेब में गरम करें। इस मिक्स्चर को वजाइन पर लगाकर 15 मिनट तक छोड़ दें। गुलाब जल से इसे साफ कर लें।

➤खीरे को कद्दूकस कर लें और इसमें ऐलोवेरा मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे अफेक्टेड एरिया पर 15 मिनट तक लगाए रहें फिर पानी से हटा दें।

➤वजाइना का कालापन कम करने के लिए आलू काटकर इसे सर्कुलर मोशन में रब करें। आलू नैचरल ब्लीच होता है जो कि रंगत निखारता है।

➤वजाइना की डार्क स्किन पर ऑलिव ऑइल लगाकर रातभर के लिए छोड़ दें। इससे न सिर्फ कालापन होगा बल्कि स्किन सॉफ्ट भी होगी।

➤रुई में थोड़ा सा बटरमिल्क लें। इसे वजाइनल एरिया पर करीब पंद्रह मिनट तक रब करें। बटरमिल्क एक्सफॉलिएटिंग एजेंट होते हैं जो त्वचा का कालापन कम करते हैं।

4- गुनगुने पानी में ऐंटी-बैक्टीरियल लोशन या लिक्विड डालकर पैरों को उसमें डुबो लें और फिर प्यूमिक स्टोन से रगड़कर साफ करें। इसके बाद सूखे तौलिए से पैर पोंछें। थोड़ी देर हवा लगने दें और फिर मॉइश्चराइजिंग लोशन लगा लें।

5- पैरों को मुलायम रखने के लिए लैक्टिक ऐसिड और ग्लाइकोलिक ऐसिड युक्त मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इसके अलावा ओपन शूज पहनें और गीले मोजे पहनने से बचें।

6- हफ्ते में कम से कम एक दिन गरम पानी में नमक डालकर आधे घंटे के लिए पैरों को उसमें डुबोएं और साफ करें। इससे सारी गंदगी और बैक्टीरिया निकल जाएंगे।

7- पैरों से बदबू आती है तो गुनगुने पानी में नींबू डालकर पैरों को उसमें डुबाकर रखें। हफ्ते में कम से कम 2 दिन ऐसा करें। इसके अलावा अपने पैरों के नाखून एकदम छोटे रखें और नियमित रूप से उनकी सफाई करें।

कैंसर के लिए स्मोकिंग से ज्यादा मोटापा है जिम्मेदार

धूम्रपान से ज्यादा खतरनाक है मोटापा

हाल ही में हुई एक स्टडी में यह बात सामने आई है कि मोटे लोगों में कैंसर होने का खतरा, धूम्रपान यानी स्मोकिंग करने वालों की तुलना में कई गुना अधिक होता है। यूके के कैंसर रिसर्च की तरफ से यह स्टडी करवायी गई थी। स्टडी के मुताबिक, यूके के करीब एक तिहाई लोग मोटापे का शिकार हैं जबकि स्मोकिंग अब भी कैंसर के उन कारकों में शामिल हैं जिन्हें रोका जा सकता है।

मोटापे की वजह से पेट के कैंसर के मामले बढ़े

यूके में हर साल स्मोकिंग की तुलना में पेट के कैंसर के 1900 मामले सामने आते हैं जिसकी वजह लोगों का हर दिन बढ़ता वजन है। मोटापे की वजह से किडनी का कैंसर, ओवरी का कैंसर और लिवर के कैंसर के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं।

कैंसर और मोटापे के बीच लिंक

शरीर में मौजूद एक्सट्रा फैट दिमाग को यह सिग्नल भेजते हैं कि उन्हें सेल्स को जल्दी-जल्दी और ज्यादा विभाजित करने की जरूरत है और इससे सेल्स को नुकसान पहुंचता है और कैंसर का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। कैंसर और मोटापे के बीच संबंध को लेकर जागरुकता फैलाने की जरूरत है।

लोगों को हेल्दी हैबिट्स अपनाने के लिए करें प्रेरित

इस स्टडी में तंबाकू की तुलना खाने से नहीं की गई है बल्कि धूम्रपान और मोटापे की तुलना की गई है ताकि लोगों को हेल्दी हैबिट्स अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। इस स्टडी के लीड अनुसंधानकर्ता मिशेल कहते हैं, 'स्मोकिंग रेट भले ही गिर रहा हो लेकिन मोटापे के रेट में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है जिसका सीधा असर नैशनल हेल्थ क्राइसिस पर दिख रहा है। हमारे बच्चे आने वाले समय में भले ही स्मोक-फ्री वातावरण में रहें लेकिन बचपन में ही मोटापे की समस्या उन्हें कई तरह की बीमारियों की तरफ धकेल रही है।'

मोटापे की वजह से होता है 13 तरह का कैंसर

वैज्ञानिकों ने अब तक यह बात साबित कर दी है कि मोटापे की वजह से एक दो नहीं बल्कि 13 तरह का कैंसर होता है। लिहाजा इस मामले में और ज्यादा रिसर्च करने की जरूत है कि किस तरह शरीर का एक्सट्रा फैट कैंसर के लिए जिम्मेदार है।

आपकी कोर मसल्स को मजबूत बनाएंगी ये एक्सरसाइज

खुद को फिट रखने के लिए हम रोज कई तरह की एक्सरसाइज करते है। यह हमें फिट रखते हुए हमारे वेट को तो कम करते है, लेकिन हमारी कोर मसल्स को स्ट्रांग नहीं बनाते हैं। हम अपने शरीर को मजबूत बनाने के लिए सिक्स एब्स पैक व बाइसेप्स करते है लेकिन यह हमारे शरीर को मजबूत नहीं करता हैं। कोर मसल्स सिर्फ पेट में नहीं बल्कि रीढ़ की हड्डी, कंधे, धड़ के साथ बाकी शरीर में भी होती हैं। कोर की मांसपेशियां हमें दोनों पैरों पर खड़े होने की शक्ति देता है।

Stir the Pot - अपनी कोहनी को बॉल पर रख कर पूरी बॉडी को सीधा रखें। उसके बाद कोहनी की मदद से बिना शरीर के हिले बॉल को घड़ी की दिशा में घुमाएं।

Pall of Press - यह एक लेटरल कोर स्टेबिलिटी एक्सरसाइज हैं। इसमें केबल मशीन के हेंडल को अपनी छाती की ऊंचाई के बराबर ले आएं। इसके बाद इस वजन को अपने अनुसार सेट कर लें। अब हाथों से हैंडल को पकड़ कर दो या तीन कदम बाहर निकाल लें ताकि केवल पर तनाव हो। एक सांस छोड़ते हुए शरीर के सामने सीधे केबल को दबाएं। आपको मशीन की ओर नहीं घूमना हैं।

Plank With Knee Tap - यह रीढ़ के लिए हैं। जिसमें अपने घुटनों को लेटकर पैरों के बल पर उठाएं। शरीर के अगले हिस्से को बाजू की मदद से ऊपर उठाएं। कोहनी आपकी जमीन पर लगी रहेगी और हाथ कंधों के बराबर रखें। सिर,गर्दन व रीढ़ की हड्डी को एक ही दिशा में सीधा रखें। अब धीरे धीरे पहले बाए घुटने को फिर दाएं घुटने को नीचे लगाएं।

Kneeling Ball Roll Out - इसमें घुटनों के बल बैठ कर अपनी कोहनियों को गेंद पर रखें। इस तरह रखें की आप अपनी रीढ़ की हड्डी पर खिचाव महसूस करें। अब गेंद को खुद से दूर धकेलते हुए सीधे हो जाएं, इससे आपकी कमर पर दवाब पड़ेगा। इसके बाद दो से तीन सेकेंड इसी तरह रहे, अब दोबारा अपनी पॉजीशन में वापिस आ जाएं।

Birdog - पीठ को सीधा करते हुए अपने हाथो व घुटनों की मदद से जमीन पर लेट जाएं। अब दहाने पैर व बाएं हाथ को ऊपर उठाते हुए सीधा करें। अपने दाएं हाथ व बाई टांग पर बैलेंस बनाने की कोशिश करें। अब इन्हे अंदर की तरफ जोड़ते हुए एक दूसरे को टच करें।

Side Elbow Plank - अपनी दाई कोहनी को अपने कंधे के पास लाकर जमीन पर एक साइड पर लेट जएं। अब अपनी दूसरी बाजू को हवा में उठाएं। दाई कोहनी को थोड़ा दबाते हुए अपने शरीर को ऊपर उठाएं। अगर पैर डगमगा रहे है तो बाएं पैर को दाई ओर के आगे की तरफ ले आएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

तेजस्वी प्रकाश इस फिल्म से करेंगी बॉलीवुड में डेब्यू

बिग बॉस 15 का खिताब अपने नाम करने के बाद से ही टीवी की फेमस एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश के सितारें बुलंदियों पर हैं। एक्ट्रेस आए दिन किसी ना किसी वजह से लाइमलाइट में बनी रहती हैं। कभी वो अपने शो नागिन 6 के सेट पर स्पॉट की जाती है तो कभी अपने बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के साथ डिनर डेट पर देखी जाती हैं। इन दिनों यह कपल इंडस्ट्री का सबसे चर्चिता जोड़ा बना हुआ है। वहीं तेजस्वी के फैंस के लिए एक गुड न्यूज आई जिसे सुनकर उनके फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हो जाएंगे। इसी बीच खबरें है कि तेजस्वी छोटे पर्दे को छोड़ अब बड़े पर्दे का रुख करने जा रही है। वह अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार है, एक्ट्रेस के हाथ एक बिग बजट फिल्म लग चुकी है जिसमें वह बॉलीवुड के एक बड़े हीरों के साथ नजर आएंगी। खबरों के मुताबिक तेजस्वी प्रकाश ने निर्देशक राज शांडिल्य की ड्रीम गर्ल के सीक्वल के लिए ऑडिशन दिया था। अगर सबकुछ ठीक रहा तो तेजा जल्द ही आयुष्मान खुराना संग स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। इस फिल्म के पहले पार्ट में एक्टर आयुष्मान खुराना और एक्ट्रेस नुसरत भरुचा लीड रोल में थे। ड्रीम गर्ल साल 2019 की एक बड़ी हिट साबित हुई थी। ड्रीम गर्ल को लोगों का काफी प्यार मिला था और आयुष्मान के कैरेक्टर को दर्शकों ने बहुत प्यार भी दिया था। उसी देखते हुए फिल्म मेकर्स इस फिल्म का सीक्वल बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं।

रजनीकांत और एम एस धोनी को लेकर उर्वशी रौतेला ने किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपने ग्लैमरस लुक को लेकर आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। अपनी फिल्मों से ज्यादा उर्वशी अपने बोल्ड अवतार के लिए मशहूर है। उर्वशी अब बॉलीवुड के बाद साउथ इंडस्ट्री में अपना जलवा बिखेरने वाली हैं। साउथ इंडस्ट्री में अपने डेब्यू की खबरों के बीच अभिनेत्री का एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिसमें वह दिग्गज कलाकार रजनीकांत और एम एस धोनी के बारे में बात करती नजर आ रही हैं, उनका ये वीडियो इस समय इंटरनेट गलियारों में जमकर वायरल हो रहा है। बता दें कि उर्वशी रौतेला तमिल फिल्म 'द लेजेंड' से अपना साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। हाल ही में लीजेंड सरवनन द्वारा निर्मित और जेडी-जेरी द्वारा निर्देशित द लेजेंड का ट्रेलर रिलीज किया गया। इस मौके पर फिल्म की लीड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला भी मंच पर ही मौजूद रहीं। इतना ही नहीं हमेशा ग्लैमरस अवतार में दिखने वाली अभिनेत्री ने इस बार अपने देसी लुक से सबका दिल जीत लिया। एक्ट्रेस ने इस खास दिन पर पीले रंग की सिल्क की साड़ी पहनी थी। जिसके साथ वह बालों में गजरा, गले में हार, कानों में झुमका और माथे पर मांग टीका लगाए बेहद खुबसूरत लग रही थीं। दरअसल, ट्रेलर लॉन्च से एक्ट्रेस का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर उनके फैन पेज से शेयर किया गया है। जिसमें एक्ट्रेस हाथों में माइक पकड़े मंच पर खड़ी दिखाई दे रही हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि उर्वशी कहती है कि 'मैं हमेशा तमिल फिल्म में काम करना चाहती थी, इसकी तीन वजह हैं। पहली, मैं रजनीकांत सर से बहुत प्यार करती हूं, दूसरा मैं सीएसके (चेन्नई सुपर किंग्स) एमएस धोनी को प्यार करती हूं।'

इस वजह से रोमांटिक फिल्में नहीं करते आयुष्मान खुराना

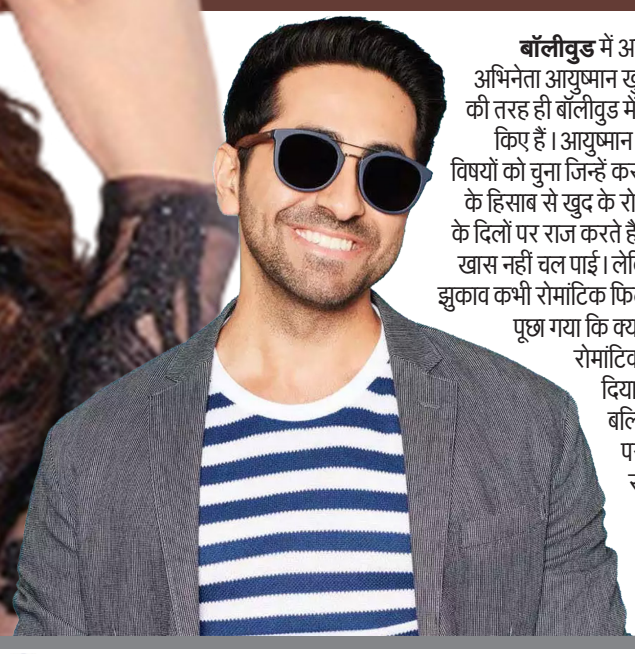

बॉलीवुड में अपने फिल्मों के साथ एक्सपेरिमेंट के लिए जाने,जाने वाले मशहूर अभिनेता आयुष्मान खुराना इन दिनों चर्चा की विषय बने हुए हैं। दरअसल आमिर खान की तरह ही बॉलीवुड में आयुष्मान खुराना भी अपने करियर के दौरान कई एक्सपेरिमेंट किए हैं। आयुष्मान ने हर उस जॉनर में नाम भी कमाया है। वही आयुष्मान ने हर उन विषयों को चुना जिन्हें करने से अच्छे-अच्छे एक्टर्स कतराया करते थे। आयुष्मान स्क्रिप्ट के हिसाब से खुद के रोल को ढाल लिया करते हैं। और यही वजह हैं की एक्टर दर्शको के दिलों पर राज करते हैं। वही एक्टर की हालिया रिलीज हुई मूवी 'अनेक' परदे पर कुछ खास नहीं चल पाई। लेकिन क्या आपने कभी सोचा हैं की क्या वजह है कि आयुष्मान का झुकाव कभी रोमांटिक फिल्मों की ओर नहीं रहा। एक इंटरव्यू में आयुष्मान खुराना से जब पूछा गया कि क्या वजह रही कि बाकी एक्टर्स की तरह उन्होंने कभी हीरो सेंट्रिक रोमांटिक फिल्मों का रुख नहीं किया। अनेक एक्टर ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसा नहीं है कि उन्होंने कभी रोमांस में हाथ नहीं आजमाया, बल्कि उन्होंने ऐसी फिल्में कीं लेकिन उन फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जिसके कारण वह ऐसी फिल्मों से दूर रहते हैं। वही आयुषम से जब आगे पूछा गया की उन्हें ग्लैमर और रोमांटिक फिल्में करने से कोई तकलीफ हैं तो इस पर एक्टर ने जवाब दिया की यार दो रोमांटिक फिल्में की थीं, बेवकूफियां और मेरी प्यारी बिंदु, पर दोनों ही चली नहीं। हालांकि मेरी प्यारी बिंदु मेरे दिल के बेहद करीब है।